मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक
मृदुल पत्रिका
Mridul Patrika
राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष 16 मूल्य 2.00 रुपए अंक 49 | जयपुर, शनिवार, 28 सितम्बर, 2024 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

सीएसआईआर एवं आईसीएआर की राष्ट्रव्यापी सफलता उसके वैज्ञानिकों के जुनून और समर्पण का परिणामः डॉ जगदीश राणे

सीरी में सीएसआईआर के 83वें स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

पिलानी (मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी, में 27 सितंबर, 2024 को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का 83वाँ स्थापना दिवस समारोहपूर्वक आयोजित किया गया । केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के निदेशक डॉ जगदीश राणे समारोह के मुख्य अतिथि थे। सीएसआईआर-सीरी के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री शारदा प्रसाद एवं डॉ पी भानुप्रसाद इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। विगत एक वर्ष के दौरान संस्थान से सेवानिवृत्त हुए 5 सहकर्मियों तथा परिषद में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के 3 सहकर्मियों को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही सीएसआईआर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वर्तमान एवं पूर्व सहकर्मियों सहित सीरी विद्या मंदिर की प्रधानाचार्या श्रीमती बी राशेल एवं मीडियाकर्मियों सहित पिलानी के गणमान्यजन उपस्थित थे। इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी एवं केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के बीच कृषि अनुसंधान में परस्पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन का भी आदान प्रदान हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ जगदीश राणे ने स्थापना दिवस संबोधन में 83वें सीएसआईआर स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने संस्थान की शोध उपलब्धियों व गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए डॉ पंचारिया को बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने अपने संस्थान के शोध कार्यों का परिचय देते हुए कहा कि सीएसआईआर सहित आईसीएआर की प्रयोगशालाएँ भी देश की आवश्यकताओं के अनुरूप वैज्ञानिक अनुसंधानों से देश के नागरिकों की सेवा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सीआईएएच, बीकानेर सहित आईसीएआर की सभी प्रयोगशालाओं ने देश को कृषि उत्पादों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दिया है। देश की वैज्ञानिक, औद्योगिक एवं कृषि प्रगति दोनों संगठनों के वैज्ञानिकों के समर्पण व जुनून के कारण ही संभव हुई है।

विशिष्ट अतिथि शारदा प्रसाद एवं डॉ पी भानुप्रसाद ने संस्थान के सेवाकाल के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्हें गर्व है कि हमने सीएसआईआर जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संगठन में इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान को समर्पित देश की अग्रणी राष्ट्रीय प्रयोगशाला 'सीरी' को अपनी सेवाएँ दीं। अपने भावपूर्ण संबोधन में उन्होंने सीरी और सीएसआईआर की उत्तरोत्तर उन्नति की कामना की। उन्होंने सेवा सम्मान प्राप्त करने वाले सहकर्मियों सहित सीरी परिवार के सभी पूर्व व वर्तमान सहकर्मियों व अतिथियों को सीएसआईआर स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया और सभी अतिथियों, वर्तमान व पूर्व सहकर्मियों को 83वें सीएसआईआर स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर देश की औद्योगिक और सामाजिक उन्नति में परिषद प्रयोगशालाओं के प्रमुख शोध कार्यों के योगदान का उल्लेख किया। अतिथियों ने विज्ञान संग्रहालय और टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और वैज्ञानिकों से चर्चा की।

समारोह का संचालन वैज्ञानिकों डॉ अदिति एवं डॉ राजेन्द्र वर्मा ने किया। संचालन के दौरान उन्होंने सभी उपस्थित सहकर्मियों एवं अन्य आमंत्रित अतिथियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का औपचारिक परिचय भी दिया। अंत में मुख्य वैज्ञानिक डॉ सुचंदन पाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ।